गैर-हिंदी कर्मियों केलिए

राजभाषा संगोष्ठी

राजभाषा संगोष्ठी
OFFICIAL LANGUAGE SEMINAR
22.11.2024
"हिंदी से हम जुड़े, संस्कार से हम बढ़े ।"

हिंदी को राजभाषा घोषित करने के 75 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार इस वर्ष हीरक जयंती के रूप में मना रहा है। इस सिलसिले में और साथ ही राजभाषा हिंदी की प्रगति की ओर अपनी प्रतिबद्धता के भाग के रूप में, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा दिनांक 22.11.2024 (शुक्रवार) को डॉल्फिन क्लब, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, कोच्ची में पूर्वाह्न 09.00 बजे से अपराह्न 04.30 बजे तक कोच्ची के तीनों (बैंक, केंद्र सरकार, सार्वजनिक उपक्रम) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के गैर-हिंदी कर्मियों को सम्मिलित करके एक राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस संगोष्ठी का उद्देश्य गैर-हिंदी कर्मियों को हिंदी भाषा के प्रति जागरूक करना और उनके कार्यक्षेत्र में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करना था।

संगोष्ठी का औपचारिक उद्घाटन डॉ. हरिकृष्णन एस, कार्यकारी निदेशक (पोत निर्माण), कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के करकमलों से किया गया । संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथिगण के रूप में पधारे श्री सुरेंद्रन वी, आईटीएस, प्रधान महाप्रबंधक, बीएसएनएल एवं एवं अध्यक्ष नराकास (पीएसयू) और श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, प्रभारी उप निदेशक

(कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची (गृह मंत्रालय, भारत सरकार) ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढायी ।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
COCHIN SHIPYARD LIMITED
राजभाषा संगोष्ठी
OFFICIAL LANGUAGE SEMINA
22.11.2024
“हिंदी से हम जुड़े, संस्कार से हम बढ़े ।”

संगोष्ठी का शुभारंभ श्रीमती कार्तिका एस नायर, उप प्रबंधक (वित्त) के ईश्वर वंदना के साथ हुआ। जो आगे चलकर श्री संपत्त कुमार पी एन, सलाहकार (सीएसआर) के स्वागत भाषण के साथ जारी रहा। तत्पश्चात कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. हरिकृष्णन एस, कार्यकारी निदेशक (पोत निर्माण), श्री सुरेंद्रन वी आईटीएस, प्रधान महाप्रबंधक, बीएसएनएल एवं अध्यक्ष नराकास व श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, प्रभारी उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची और दोनों नराकास समितियों के सचिव मिलकर दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
COCHIN SHIPYARD LIMITED
राजभाषा संगोष्ठी
OFFICIAL LANGUAGE
SEMINAR
22.11.2024

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
COCHIN SHIPYARD LIMITED
राजभाषा संगोष्ठी
OFFICIAL LANGUAGE

अगला हमारे अध्यक्ष डॉ. हरिकृष्णन एस ने अपने अध्यक्षीय भाषण में देश में हिंदी के बढते प्रयोग ने आज यह सिद्ध कर दिया है कि यह भाषा न केवल राजभाषा है, बल्कि राष्ट्रभाषा एवं जनसंपर्क की भाषा भी है इसका ज़िक्र किया। यह भी बताया कि राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार एवं हिंदी को जनमानस तक पहुंचाना, हमारा नैतिक दायित्व है। इस दृष्टि से, आज कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड इस संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। वहां उपस्थित बैंक, केंद्र सरकार एवं पीएसयू के सभी राजभाषा कर्मियों एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को भी उन्होंने बधाई दी जिन्होंने राजभाषा हिंदी को उन्नति की राह में खड़ा करने में और एक अगले स्तर तक ले जाने में अपनी एहम भूमिका निभाई है। वहां उपस्थित नराकास समितियों को भी उन्होंने सराहना की ।

बाद में, हमारे मुख्य अतिथि श्री सुरेंद्रन वी आईटीएस, प्रधान महाप्रबंधक, बीएसएनएल और अध्यक्ष नराकास, कोच्ची (सार्वजनिक उपक्रम) को अपने आशीर्वचनों के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने भी हिंदी की प्रगति उसके लिए किए जा रहे प्रयासों और शहरों में स्थित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का बढ़ता प्रयास आदि सब की सराहना की और इस आयोजन के लिए कोचीन शिपयार्ड को भी तहे दिल से बधाई दी।

तत्पश्चात, श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, प्रभारी उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची को अपने अनुभव के तहत आशीर्वचनों के लिए आमंत्रित किया गया। महोदय ने भी अपने अनुभव में कार्यरत सभी संस्थानों के अनुभव को बटोरते

बटोरते हुए हिंदी के प्रचार - प्रसार की आवश्यकता और एहमियत को दर्शाया और सिर्फ हिंदी ही नहीं सभी भारतीय भाषाओं की प्रमुखता पर ज़ोर देते हुए भारत सरकार द्वारा किए गए नए पहल की ओर ध्यान दिलाया गया जिसमें सभी भारतीय भाषाओं के सहायक निदेशकों के पद के लिए अधिसूचना जारी किया गया है। सभी हिंदी कर्मियों को अपनी - अपनी जगह किए जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा की।

उद्घाटन सत्र के समापन में समारोह के अध्यक्ष डॉ. हरिकृष्णन एस, कार्यकारी निदेशक (पोत निर्माण) द्वारा मुख्य अतिथिगण श्री सुरेंद्रन वी आईटीएस, प्रधान महाप्रबंधक, बीएसएनएल, कोच्ची और श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, प्रभारी उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इसके साथ उद्घाटन सत्र संपन्न हुआ।

राजभाषा संगोष्ठी
OFFICIAL LANGUAGE SEMINAR

चाय विराम के पश्चात संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया । संगोष्ठी मुख्य रूप से दो सत्रों में योजनाबद्ध था, **प्रथम सत्र का पहला भाग "राजभाषा कार्यान्वयन में गैर - हिंदी कर्मियों की भूमिका - कर्तव्य और दायित्व"** पर आधारित था जिसका संचालन श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, प्रभारी उप निदेशक (कार्यान्वयन) क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची द्वारा किया गया। उन्होंने अपने अनुभव के आधार पर हिंदी भाषा के महत्व और भारत सरकार द्वारा जारी किए गए नए - नए अवसरों पर प्रकाश फैलाया गया। कॉलेज छात्रों के हिंदी भाषा के प्रति रूचि देखकर उन्हें भी प्रोत्साहित करते हुए रोज़गारोन्मुख अवसरों की सूचना दिलाई। उपस्थित सभी प्रतिभागियों को हिंदी के बढ़ते आयामों का ज्ञान प्राप्त हुआ और इस सत्र से उन्होंने भरपूर लाभ उठाया।

राजभाषा संगोष्ठी
ICIAL LANGUAGE SEMINAR
22.11.2024
हिंदी से हम जुड़े, संस्कार से हम बढ़े ।

प्रथम सत्र का दूसरा भाग “डिजिटल युग में राजभाषा हिंदी” पर आधारित था जिसका संचालन डॉ. मधुशील आयिल्यत्त, प्रबंधक (राजभाषा), भारतीय रिज़र्व बैंक, कोच्ची ने किया। उन्होंने हिंदी को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किस प्रकार जोड़ा जा सकता है उसको सविस्तार से समझाया। अनुवाद में हम किस प्रकार प्रौद्योगिकी की मदद ले सकते है और कहां - कहां इसका अनुप्रयोग उपलब्ध है, कार्यालय में हिंदी न जानने वाले अधिकारी कैसे इन माध्यमों से हिंदी में काम कर सकते है, विभिन्न साइटों, विभिन्न टाइपिंग टूलों आदि के बारे में पवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के ज़रिए जानकारी प्रदान की गई। यह बहुत ही ज्ञानवर्धक सत्र था, जिसका सभी प्रतिभागियों ने विशेषकर छात्रों ने लाभ उठाया ।

राजभाषा संगोष्ठी
FFICIAL LANGUAGE SEMINAR
22.11.2024
से हम जुड़े, संस्कार से हम बढ़े ।

इसको जारी रखते हुए श्री प्रशांत जी पै, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय तृश्शूर का पर्चा प्रस्तुतीकरण था जिनका विषय था **“12 ‘प्र’ से राजभाषा हिंदी का समुचित विकास”** । इस विषय को उन्होंने बडे ही शानदार ढंग से सामने रखा। हिंदी की प्रमुखता और हरेक ‘प्र’ के शब्दों और उसकी सार्थकता, उसकी एहमियत इन सबके बारे में बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। वाकई में इस विषय में प्रस्तुतीकरण बहुत ही ज्ञानवर्धक था। ‘प्र’ के एक शब्दों को कैसे हिंदी के साथ जोड़ा जा सकता है उसे किस प्रकार समझाया जा सकता है यह सब बहुत ही सरल रूप से समझाया गया।

राजभाषा संगोष्ठी
AL LANGUAGE SEMINAR
22.11.2024

द्वितीय सत्र का पहला भाग श्रीमती आशा के सी, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, भारतीय तटरक्षक, कोच्ची के पर्चा प्रस्तुतीकरण के साथ हुआ। उनका विषय था **“हिंदी में अनुवाद - चुनौतियों और संभावनाएं”** इस विषय पर उन्होंने हिंदी भाषा में अनुवाद संबंधी मुश्किलों और उसे किस प्रकार सुलझाया जा सकता है इस पर चर्चा की गई। अनुवाद क्या है, उसके प्रकार, कार्यालय में किस अनुवाद का प्रयोग किया जाना चाहिए, किन आधारों पर अनुवाद का मूल्यांकन करना चाहिए, एक अनुवादक किन चुनौतियों का सामना कर सकता है, उसे किस प्रकार इसे निपटना चाहिए, अनुवाद की संभावनाएं आदि पर बहुत ही बढ़िए ढंग से पवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के ज़रिए पेश किया।

भाषा संगोष्ठी
ANGUAGE SEMINAR
.11.2024

द्वितीय सत्र का दूसरा भाग **"राजभाषा हिंदी के सफल कार्यान्वयन के लिए नीतिगत उपाय"** विषय पर आधारित था जिसका संचालन डॉ. अंजली एस, सहायक प्रोफेसर (हिंदी विभाग), महाराजास कॉलेज, कोच्ची ने किया। उन्होंने हिंदी को कार्यालयीन कार्यों के लिए किस प्रकार सरल रूप से प्रयोग में लाया जा सकता है उस पर अपनी प्रस्तुतीकरण से विषय का आरंभ किया। राजभाषा नीति को सरल और सहज रूप से पवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के रूप में प्रस्तुत किया गया। हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त करने की स्थिति, राजभाषा अधिनियम, नियम, संकल्प आदि से जुड़े मदों को बहुत ही सरल और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया। गैर-हिंदी कर्मियों के लिए यह बहुत ही ज्ञानवर्धक सत्र था, जिसका सभी प्रतिभागियों ने लाभ उठाया ।

राजभाषा संगोष्ठी
FFICIAL LANGUAGE SEMINAR
22.11.2024

द्वितीय सत्र का आखिरी भाग **“हिंदी में वार्तालाप की संरचना और दिशा” विषय** पर आधारित था जिसका संचालन डॉ. हेरमन पी जे, प्रोफेसर एवं निदेशक, अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केंद्र, हिंदी विभाग, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम ने किया। बोलचाल की हिंदी और कार्यालयीन हिंदी में अंतर क्या है। उसे किस प्रकार पहचाना जा सकता है आदि से संबंधित विषयों पर उन्होंने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया । सरल हिंदी को किस प्रकार कार्यालयीन कामों में उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने फिर प्रतिभागियों से कुछ वाक्यों का सरल अनुवाद करने को कहा। सभी ने इस सत्र में बहुत ही घुल-मिलकर भाग लिया। वास्तव में यह विषय वहां उपस्थित सभी कर्मचारियों एवं छात्रों केलिए सच में ज्ञानवर्धक और कार्यात्मक था।

हरेक सत्र के समापन में संकाय सदस्यों को सभागार में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। संगोष्ठी के अंत की ओर बढ़ते हुए समापन समारोह में सभी अतिथियों, संकायों, विभिन्न कार्यालयों से उपस्थित गैर-हिंदी कर्मचारियों, विभिन्न कॉलेजों से उपस्थित छात्रों को प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती सरिता जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया । धन्यवाद ज्ञापन के बाद राष्ट्रगान के साथ संगोष्ठी का भव्य संपन्न हुआ।

संगोष्ठी में श्री शंकराचार्य विश्वविद्यालय, कालडी, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, एर्णाकुलम और कोचीन विश्वविद्यालय, कलमश्शेरी से 20 छात्रों ने अपनी उपस्थिति दर्ज

की। एर्णाकुलम जिले के तीनों नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों से 100 से अधिक गैर-हिंदी प्रतिभागियों ने संगोष्ठी में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की।

गैर-हिंदी कर्मियों के लिए आयोजित यह राजभाषा संगोष्ठी न केवल उनकी हिंदी भाषा की दक्षता को बढ़ाने का माध्यम बनी, बल्कि हिंदी के प्रति जागरूकता और आत्मीयता का एक सशक्त मंच भी प्रदान किया। कार्यक्रम ने यह साबित किया कि सही दिशा-निर्देश और प्रशिक्षण से भाषा की बाधाएं आसानी से दूर की जा सकती हैं। इस संगोष्ठी का प्रभाव दीर्घकालिक होगा, क्योंकि इसके माध्यम से गैर-हिंदी कर्मियों ने हिंदी को अपनाने और उसे अपने कार्यक्षेत्र में अधिक प्रभावी तरीके से उपयोग करने का संकल्प लिया। इस संगोष्ठी ने हिंदी भाषा की समृद्धि और उसके महत्व को रेखांकित करते हुए एक सकारात्मक और उत्साहवर्धक वातावरण का भी निर्माण किया है।

****